सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, बिहार
प्रेस विज्ञप्ति

संख्या–cm-565
17/11/2017

पलायन की परिभाषा पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, यह कोई कमजोरी नहीं बल्कि मेहनत और मेधा को दर्शाता है क्योंकि पूरे देश पर सबका अधिकार है :– मुख्यमंत्री

पटना, 17 नवम्बर 2017 :– होटल मौर्य में ई0टीवी बिहार द्वारा आयोजित कार्यक्रम 'राइजिंग बिहार' में मुख्यमंत्री श्री नीतीश कुमार ने कहा कि विभिन्न राज्यों के विकास को केंद्र में रखकर इस तरह का कार्यक्रम बिहार में आयोजित हुआ है, यह खुशी की बात है। इस कार्यक्रम के आयोजन के लिए उन्होंने ई0टीवी को बधाई दी।

'राइजिंग बिहार' कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें जबसे बिहार में काम करने का मौका मिला हमने न्याय के साथ विकास की अवधारणा को केंद्र में रखकर काम किया। उन्होंने कहा कि विकास का मतलब चंद फैक्ट्रियॉ लगना या चंद लोगों की सम्पति में इजाफा होना नहीं है, विकास का फायदा सभी को मिले सही मायने में वही विकास है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में 2005 के बाद सड़क, स्वास्थ्य शिक्षा, बुनियादी ढांचे, पुल–पुलिया, कल्याणकारी योजनाएं सभी क्षेत्रों का विकास हुआ है। उन्होंने कहा कि साढ़े बारह प्रतिशत बच्चे स्कूल से बाहर थे, जिन्हें न सिर्फ स्कूलों तक पहुंचाया गया बल्कि नये स्कूल भवनों का निर्माण, शिक्षकों का नियोजन के साथ ही कई तरह के प्रयास शिक्षा के क्षेत्र में किये गए। निरंतर प्रयास का ही नतीजा रहा कि 4–5 साल के अंदर 1 प्रतिशत से भी कम बच्चें स्कूल से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि पहले सरकारी अस्पतालों के बेड पर इंसानों की जगह कुत्ते बैठे हुए पाए जाते थे और जब फरवरी 2006 में एक सर्वे हमने करवाया तो पूरे बिहार में औसतन एक महीने में मात्र 39 मरीज हर स्वास्थ्य केन्द्र पर जाते थे लेकिन 24x7 सुविधा प्रत्येक सरकारी अस्पतालों में उपलब्ध कराने और पारा मेडिकल स्टाफ और डॉक्टरों की तैनाती के बाद नवम्बर 2006 में पूरे बिहार के प्रत्येक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर 2 से ढाई हजार औसतन मरीज पहुंचने लगे। इस बीच वर्ष 2006 के अगस्त महीने में तत्कालीन राष्ट्रपति भैरो सिंह शेखावत से सभी सरकारी अस्पतालों में मुफ्त दवा सुविधा मुहैया कराने की शुरुआत भी कराई गयी। अब लोगों का भरोसा सरकारी अस्पतालों के प्रति काफी बढने के कारण स्थिति यह है कि एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर औसतन 10 हजार से ज्यादा मरीज पहुंचने लगे हैं। आज सरकारी अस्पतालों में मरीजों की तादाद इतनी बढ़ गयी है कि बेड कम पड़ जाता है और उन्हें जमीन पर ही इलाज कराना पड़ता है, हालांकि यह अच्छी बात नहीं है। बेड की कमी को दूर करने के लिए भी राज्य सरकार पूरा प्रयास कर रही है ताकि सबको बेड उपलब्ध हो सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के किसी भी इलाके से पटना पहुँचने के लिए पहले छह घंटे का लक्ष्य निर्धारित था, उस लक्ष्य को प्राप्त करने के बाद इसे घटाकर अब पांच घंटा किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष के अंत तक बिहार के हर बसावट तक और अगले

साल के अंत तक हर घर तक बिजली पहुँचाने का संकल्प है और इस दिशा में काम तेजी से जारी है। वहीं कृषि के लिए अलग विद्युत फीडर की व्यवस्था की जा रही है और इसकी शुरुआत नौबतपुर से की जा चुकी है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं को 2006 में पंचायती राज और 2007 में नगर निकाय चुनाव में 50 प्रतिशत आरक्षण दिया गया। पुलिस बहाली में 35 प्रतिशत का आरक्षण देने के साथ ही जीविका और स्वयं सहायता समूह के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की दिशा में कारगर प्रयास किये गए हैं। बालिकाओं के लिए साइकिल योजना, पोशाक योजना की शुरुआत हुई। आज स्थिति यह है कि हाई स्कूल में लड़कियों की संख्या 1 लाख 70 हजार से बढ़कर 9 लाख से ज्यादा हो गयी है। उन्होंने कहा कि 2006 में जीविका के माध्यम से स्वयं सहायता समूह की बिहार के 7 जिलों के 44 ब्लॉक में विश्व बैंक से कर्ज लेकर शुरुआत हुई जो सबसे बेहतरीन मॉडल साबित हुआ और जिसकों केंद्र ने अपनाया और उसका नाम आजीविका पड़ा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राइजिंग बिहार का मतलब क्या है ? उन्होंने कहा कि सात निश्चय योजना के तहत सभी बुनियादी सुविधाएं गाँव से लेकर शहरों में भी मुहैया कराई जा रही है, ऐसे में शहर और गाँव के बीच भेद मिटेगा। उन्होंने कहा कि बैंकों का रवैया ठीक नहीं है, जबकि राज्यस्तरीय बैंकर्स कमिटी की मीटिंग में रवैया सुधारने को लेकर बार–बार हिदायत दी जाती रही है, यह बीमारी आज की नहीं है, यह बहुत पहले से चली आ रही है। ऐसे में समीक्षा किया जा रहा है और सुधार नहीं पाया गया तो युवाओं के लिए शुरू की गयी स्टुडेंट क्रेडिट कार्ड योजना का लाभ कॉरपोरेशन बनाकर छात्रों को दिया जायेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि रोजगार की तलाश में जुटे 20–25 साल तक के युवाओं को 2 साल तक 1000 रूपये प्रतिमाह स्वयं सहायता भत्ता दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पलायन की परिभाषा पर पुनर्विचार करने की आवश्यकता है, यह कोई कमजोरी नहीं बल्कि मेहनत और मेधा को दर्शाता है क्योंकि पूरे देश पर सबका अधिकार है और कोई कही भी आवागमन कर सकता है, रह सकता है एवं रोजगार कर सकता है। उन्होंने कहा कि पंजाब में बिना बिहार के लोगों के हरित क्रांति नहीं आती और एक दिन अगर बिहार के लोग काम करना बंद कर दे तो पूरी दिल्ली थम जायेगी। उन्होंने कहा कि बिहार के बच्चों को कम्प्यूटर, सम्वाद कौशल, व्यवहार कौशल के लिए कुशल युवा कार्यक्रम के जरिये 240 घंटे का प्रशिक्षण दिया जा रहा है ताकि उन्हें रोजगार के और अधिक अवसर मिल सके।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार के लोग कभी भीख नहीं मांगते और नहीं किसी पर बोझ बनते है बल्कि बिहार के मेहनती लोग दूसरों का बोझ कम करते हैं। उन्होंने कहा कि सब कुछ आदर्श स्थिति में हो जाएगा, इसके लिए सिर्फ कल्पना ही किया जा सकता है, व्यवहारिक तौर पर यह सम्भव नहीं है, हाँ इसके लिए प्रयास जरुर किया जाता है। उन्होंने कहा कि शराबबंदी को चंद लोग फेल बताते है और इस काम में जुटे हुए है लेकिन शराबबंदी कभी फेल नहीं होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार में सभी क्षेत्रों में विकास के साथ ही शराबबंदी, बाल विवाह, और दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान चलाकर सामाजिक सुधार की दिशा में भी प्रयास किये गए हैं, जो लोगों के सहयोग से अपने मकसद में कामयाबी की ओर भी निरंतर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2000 में जब बिहार से झारखंड अलग हुआ तो लोग दुखी थे, तब हमने घूम–घूमकर लोगों को समझाया कि मायूस होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि इतिहास का केंद्र इसी बिहार में है और आज 17 साल बाद लोग भूल चुके हैं कि झारखंड भी कभी बिहार का हिस्सा हुआ करता था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बिहार की 76 प्रतिशत आबादी अब भी आजीविका के लिए कृषि पर निर्भर है और मेरा लक्ष्य है कि हर हिन्दुस्तानी की थाल में बिहार का एक व्यंजन हो और

यह बहुत जल्द ही दिखेगा क्योंकि वैशाली का चिनिया केला, मुजफ्फरपुर की शाही लीची और भागलपुर का जर्दालू आम की मांग पूरे देश में है। और तीसरे कृषि रोड मैप के जरिये कृषि के समुचित विकास के लिए बिहार ने कई प्रयास किये है, जिसका मकसद है कि उत्पादन,उत्पादकता के साथ ही किसानों की आमदनी में इजाफा हो।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रशासनिक सुधार की दिशा में आर0टी0पी0एस0, लोक शिकायत निवारण अधिकार का कानून जैसे कई फैसले लिए गए, जिसका लाभ आज बिहारवासियों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि विकास हो लेकिन पर्यावरण संरक्षण का हर हाल में ध्यान रखकर।

राइजिंग बिहार कार्यक्रम में सवालो का जबाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि तीर छाप हमारा चुनाव चिन्ह है और उसे मिलना स्वाभाविक है। उन्होंने कहा कि यह सच्चाई की जीत है, वहीं आरक्षण के सवाल पर कहा कि यह संवैधानिक प्रावधानों के अधीन है कि जिन्हें अवसर नहीं मिला उन्हें अवसर मुहैया कराया जा सके। उन्होंने कहा कि यह संविधान की मूल अवधारणा है और इसके साथ छेड़छाड नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि दहेज प्रथा और बाल विवाह को लेकर पहले से कानून है जिसके प्रति लोगों को जागरूक करने की आवश्यकता है क्योंकि दहेज प्रथा जो पहले सम्पन्न परिवारों तक सीमित था, अब निर्धन तबके तक पहुँच चूका है, इसी का दुष्परिणाम है कि दहेज के डर से लोग अपनी बेटी की शादी कम उम्र में ही कर देते हैं। इसका परिणाम कम उम्र में माँ बनने वाली लड़कियों और उनके बच्चों को कई बीमारियों से जूझना पड़ता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बाल विवाह के कारण ही आज बच्चे बौनेपन के शिकार हो रहे हैं, इसके खिलाफ गाँव–गाँव में सशक्त अभियान चलाया जाना चाहिए। यह सिर्फ कानून से सम्भव नहीं है बल्कि सामाजिक अभियान और लोगों को जागरूक कर ही इन सामाजिक बुराइयों पर नियंत्रण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि एन0डी0ए0 के साथ जाने का फैसला बिहार हित में है, जिसका नतीजा है कि जो भी योजनायें– सड़क, बिजली या अन्य क्षेत्रों में केंद्र में अटकी पड़ी थी, अब तेजी से आगे बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग बेरोजगार हो गए हैं और कुछ प्रोफेशनल्स को रखकर सोशल साइट्स के जरिये अनाप–शनाप दुष्प्रचार कर रहे हैं लेकिन वे कभी कामयाब नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि गठबंधन में एक मिनट के लिए कही कोई परेशानी नहीं है और पूरे को–आर्डिनेशन से विकास का काम आगे बढ़ रहा है और काम को ही महत्ता दी जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजनीति में अमर्यादित भाषा का प्रयोग नहीं होना चाहिए और मैंने अपने राजनैतिक जीवन में कभी किसी पर व्यक्तिगत आक्षेप नहीं लगाया है। कुछ लोग हैं जो कवरेज पाने के लिए किसी भी हद तक गिरने को तैयार रहते है और गाली–गलौज की भाषा पर उतर आते हैं। ऐसे में हमारी पार्टी के लोग मौन धारण कैसे कर सकते हैं ? उन्होंने कहा कि गाली–गलौज की भाषा करने वाले लोगों को चुनाव में जनता उन्हें बैक टू पवेलियन करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस तरह के वाक्युद्ध और राजनीति का स्तर गिराने से जनमानस पर कोई असर नहीं पड़ने वाला है। उन्होंने कहा कि 40 वर्षों में जितना कवरेज नहीं मिला हमसे अलग होने के बाद 4 माह में ही कवरेज मिल गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गुजरात में भाजपा की जीत सुनिश्चित है और 2012 से भी ज्यादा सीट इस बार भाजपा की झोली में आएगी। उन्होंने कहा कि जिस गुजरात के लोगों ने श्री नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री के पद तक पहुंचाया, वहॉ भाजपा को सरकार बनाने से कोई रोक नहीं सकता है।

प्रधानमंत्री बनने की चर्चा बार–बार उठने के सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे लिए बिहार की सेवा ही देश सेवा है। फिल्म अभिनेत्री नीतू चंद्रा के एक सवाल का जबाब

देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि राजगीर में फिल्म सिटी का निर्माण हो रहा है। उसके कांसेप्ट में आपलोग सहयोग करें। उन्होंने कहा कि स्पोर्ट्स में भी बहुत काम हो रहा है राष्ट्रीय स्तर का स्पोर्ट्स एकेडमी बनने वाला है। उसके लिए 660 करोड़ रुपये भी मंजूर किया जा चुका है।

इस अवसर पर कई केन्द्रीय मंत्रीगण, राज्य सरकार के मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, विधान पार्षदगण, न्यूज 18 ग्रुप के वरीय प्रतिनिधिगण तथा बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

******